गरवी गुजरात

TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 231
दि. 22.12.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

उ.प्र.सरकार किसानों को आधुनिक खेती तकनीकों और नवाचारों से लैस करने के लिए किसान पाठशाला कार्यक्रम का विस्तार कर रही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 दिसंबर को बाराबंकी से किया था शुभारंभ

उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को आधुनिक खेती तकनीकों और नवाचारों से लैस करने के लिए किसान पाठशाला कार्यक्रम का विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई इस पहल ने 21,000 ग्राम पंचायतों में लाखों लोगों को प्रशिक्षित किया है, जो प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन, मिट्टी स्वास्थ्य, बागवानी और आय बढ़ाने वाले तरीकों पर केंद्रित है।

(जीएनएस)।

योगी सरकार के निर्देश पर किसानों को आधुनिक खेती और कृषि नवाचारों के लिए लगातार प्रशिक्षित किया जा रहा है। कृषि विभाग के तत्वावधान में रबी सीजन के दौरान किसान पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 दिसंबर को बाराबंकी के पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा के गांव दौलतपुर से किसान पाठशाला 8.0 (रबी 2025-26) का शुभारंभ किया था। इसके तहत अब तक 10 दिनों में 6.98 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। किसान पाठशाला का आयोजन 29 दिसंबर तक जारी रहेगा।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रदेश की 21 हजार ग्राम पंचायतों में जनपदीय और मंडलीय कार्यालयों को निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में 12 दिसंबर से 21 दिसंबर तक 10 दिनों के दौरान 6720 ग्राम पंचायतों में किसान पाठशाला और गोष्ठियों का आयोजन किया जा चुका है।

इस अवधि में 6.98 लाख किसानों को कृषि एवं सहवर्ती विभागों की योजनाओं, कृषि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा विकसित

नवाचारों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षित किसानों में 4.37 लाख पुरुष और 2.61 लाख महिला किसान शामिल हैं।

कृषि विभाग के अनुसार, किसान पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2017-18 से अब तक लगभग दो करोड़ से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना और उनकी आय को बढ़ाना है।

किसान पाठशाला के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन, फसल सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य, बागवानी, नई तकनीकों, सरकारी योजनाओं और आय बढ़ाने के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी जा रही है। योगी सरकार की यह पहल किसानों को कम लागत में बेहतर उत्पादन करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पीएम मोदी ने असम के नामरूप में असम वैली उर्वरक और रसायन कंपनी लिमिटेड की अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना की आधारशिला रखी

- असम ने विकास की नई गति पकड़ी है-प्रधानमंत्री
- हमारी सरकार किसानों के कल्याण को अपने सभी प्रयासों के केंद्र में रख रही है-प्रधानमंत्री मोदी
- कृषि को बढ़ावा देने और किसानों का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन जैसी पहलें शुरू की गई हैं- प्रधानमंत्री
- 'सबका साथ, सबका विकास' की परिकल्पना से प्रेरित होकर हमारे प्रयासों ने गरीबों के जीवन को बदल दिया है-प्रधानमंत्री मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज असम के डिब्रूगढ़ जिले के नामरूप में असम वैली उर्वरक और रसायन कंपनी लिमिटेड की अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह चाओलुंग सुखापा और महावीर लछित बोडफुकन जैसे महान नायकों की भूमि है। उन्होंने भीमबर देउरी, शहीद कुशल कुंवर, मोरन राजा बोदूसा, मालती मेम, इंदिरा मीरी, स्वर्गदेव सरबानंदा सिंह और वीर सती साधनी के योगदान को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे उजानी असम की पवित्र भूमि, इस वीरता और बलिदान की महान भूमि को नमन करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि वे आगे बड़ी संख्या में लोगों को अपना स्नेह व्यक्त करते हुए देख सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से माताओं और बहनों की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वे जो प्रेम और आशीर्वाद लेकर आई हैं, वह असाधारण है। उन्होंने कहा कि कई बहनें असम के चाय बागानों की सुगंध लेकर आई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुगंध असम के साथ उनके रिश्ते में एक अनूठा भाव पैदा करती है। उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों को प्रणाम किया और उनके स्नेह और प्रेम के लिए आभार व्यक्त किया।

श्री मोदी ने कहा कि आज का दिन असम और पूरे पूर्वोत्तर भारत के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि नामरूप और डिब्रूगढ़ का लंबे समय से प्रतीक्षित सपना साकार हो गया है

विजयपुरा के आदिवासी मजदूरों की घर वापसी, सिंधिया की मदद से टूटी बंधुआगिरी की बेड़ियां

(जीएनएस)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के रन्नौद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम विजयपुरा के करीब 80 आदिवासी मजदूरों की सकुशल वापसी से गांव में राहत और खुशी का माहौल है। महिला, पुरुष और बच्चों सहित ये सभी मजदूर महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में फंसे हुए थे, जहां उन्हें काम दिलाने के नाम पर ले जाकर अमानवीय हालात में रखा गया था।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के हस्तक्षेप और दोनों राज्यों की पुलिस के समन्वय से सभी मजदूरों को सुरक्षित मुक्त कराकर उनके गांव वापस लाया गया।

इंदौर में काम का झांसा, महाराष्ट्र में बंधक बना लिए गए

वापस लौटे मजदूरों ने बताया कि कुछ लोगों ने उन्हें इंदौर में रोजगार दिलाने का भरोसा दिया था। इसके बाद उन्हें महाराष्ट्र के सोलापुर जिले ले जाया गया, जहां एक फार्म पर बंधक जैसे हालात में रखा गया। मजदूरों के अनुसार उनसे सुबह 6 बजे से लेकर रात करीब 8 बजे तक जबरन काम कराया जाता था। काम के दौरान लाठियों के बल पर निगरानी रखी जाती थी और जरा सी गलती पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकियां दी जाती थीं।

महिलाओं और बच्चों को भी नहीं बख्शा

मजदूरों का आरोप है कि फार्म पर महिलाओं और बच्चों को भी साथ रहने के लिए मजबूर किया गया। बाहर जाने या किसी से संपर्क करने की इजाजत नहीं थी। कई बार भोजन और मजदूरी के नाम पर भी उन्हें धोखा दिया गया। भय और दबाव के कारण मजदूर वहां से भाग भी नहीं पा रहे थे।

सूचना मिलते ही सक्रिय हुए सिंधिया

मामले की जानकारी सामने आते ही केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तत्काल संज्ञान लिया और मजदूरों की सुरक्षित वापसी के निर्देश दिए।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा गठबंधन की प्रचंड जीत

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव 2025 के अंतिम परिणाम घोषित हो चुके हैं, जिसमें महायुति (बीजेपी, शिंदे शिवसेना और अजित पवार एनसीपी) ने विपक्षी महाविकास अघाड़ी (MVA) का पूरी तरह सूपड़ा साफ कर दिया है। कुल 288 नगर

निकायों में से महायुति ने 215 सीटों पर प्रचंड जीत दर्ज की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में बीजेपी 129 सीटें जीतकर निर्विवाद रूप से प्रदेश की नंबर-1 पार्टी बनी है। यह जीत न केवल जमीनी पकड़ को दशार्ती है, बल्कि आने वाले आगामी महानगरपालिका चुनावों (BMC) के लिए महायुति के पक्ष में एक मजबूत लहर का संकेत है।

उपराष्ट्रपति श्री सी पी राधाकृष्णन ने इंदौर में श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोहों में भाग लिया

- उपराष्ट्रपति ने अटल बिहारी वाजपेयी को आधुनिक, आत्मविश्वासी भारत के वास्तुकार के रूप में सराहा
- श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गरिमा और शालीनता के साथ सार्वजनिक विमर्श को ऊंचा उठायाः उपराष्ट्रपति
- नेतृत्व सेवा और जिम्मेदारी के बारे में हैः उपराष्ट्रपति

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज मध्य प्रदेश के इंदौर में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी समारोहों में भाग लिया। यह कार्यक्रम अटल फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया था।

तमिल क्लासिक तिरुक्कुरल के एक दोहे को याद करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि जन्म से सभी मनुष्य समान होते हैं, जबकि महानता अपने कर्मों से प्राप्त की जाती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे बल्कि स्वयं एक मिशन थे, जो सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में हमेशा 'अटल' बने रहे। उन्होंने देखा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी को एक राजनेता, प्रशासक, सांसद, कवि के रूप में उनके

उदाहरणीय कार्यों के लिए याद किया जाता है और सम्मानित किया जाता है, और सबसे ऊपर, एक महान मानव के रूप में।

उपराष्ट्रपति ने नोट किया कि श्री वाजपेयी संवाद, समावेशी विकास और मजबूत लेकिन मानवीय शासन में गहराई से विश्वास रखते थे। उन्होंने कहा कि श्री अटल जी ने गरिमा और शालीनता के साथ सार्वजनिक विमर्श को ऊंचा उठाया और यह प्रदर्शित किया कि राजनीति सिद्धांतपूर्ण और करुणामय हो सकती है। उन्होंने जोड़ा कि यही कारण है कि श्री वाजपेयी का जन्मदिन अच्छे शासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए, उपराष्ट्रपति ने याद किया कि श्री वाजपेयी सांसदों के लिए हमेशा सुलभ रहते थे और राष्ट्र-निर्माण के लिए सभी पक्षों से सुझावों के प्रति खुले रहते थे। उन्होंने श्री वाजपेयी के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड राज्यों के गठन का उल्लेख किया, इसे शासन और प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए दूरदर्शी कदम बताते हुए।

राष्ट्र-निमार्ता के रूप में श्री वाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और गोल्डन क्वाड्रिलेटरल परियोजना जैसे ऐतिहासिक पहलों का उदाहरण दिया।

1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों का जिक्र करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री वाजपेयी के नेतृत्व ने भारत को आत्मविश्वासी और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में दृढ़ता से स्थापित किया। उन्होंने कहा कि श्री वाजपेयी का विज्ञान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है, जो विकसित भारत @2047 के लक्ष्य की ओर राष्ट्र को निर्देशित कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने श्री वाजपेयी के तमिलनाडु से गहरे जुड़ाव को भी याद किया, उनकी भाषाई विविधता, सांस्कृतिक बहुलता और संवाद के प्रति सम्मान का उल्लेख करते हुए, जिसने उन्हें राजनीतिक और वैचारिक सीमाओं को पार करते हुए प्रशंसा दिलाई।

विकसित भारतः जी राम जी योजना मनरेगा के आगे का कदम है- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

मजदूर भाइयों, अब 100 नहीं, बल्कि 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी है- श्री शिवराज सिंह चौहान

मनरेगा के नाम पर फिर एक बार देश को गुमराह करने की साजिश हो रही है- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज विकसित भारत जी राम जी बिल को अपनी मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अब ये कानून का रूप ले चुका है। इससे पहले केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एक वक्तव्य जारी किया। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी एक्ट के बारे में विस्तार से बताया तथा कहा कि इसके बारे में भ्रम फैलाने की साजिश हो रही है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मनरेगा के नाम पर फिर एक बार देश को गुमराह करने की साजिश हो रही है। भ्रम फैलाए जा रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि विकसित भारतः जी राम जी योजना मनरेगा के आगे का कदम है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मजदूर भाइयों, अब 100 नहीं, बल्कि 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी है। काम न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते के प्रावधान को और सशक्त बनाया गया है। मजदूरी अगर देर से मिली तो अतिरिक्त राशि देने का भी प्रावधान किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस योजना के लिए इसी साल ₹1,51,282 करोड़ से अधिक की विशाल धनराशि प्रस्तावित है, ताकि रोजगार देने के लिए पर्याप्त पैसा हो, और उस पैसे से गांव का सम्पूर्ण विकास हो सके। विकसित भारत के लिए विकसित गांव, स्वावलंबी गांव और गरीबी मुक्त - रोजगार युक्त गांव बनाने के लिए जल संरक्षण, गांव में इन्फ्रास्ट्रक्चर के काम, आजीविका मूलक गतिविधियों तथा प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के काम हाथ में लिए जाएंगे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 125 दिन के रोजगार की गारंटी के साथ

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का योग तथा ध्यान की प्राचीन परंपरा को स्वस्थ-संतुलित समाज के निर्माण के लिए जन आंदोलन बनाने का आह्वान

- महात्मा मंदिर में विश्व ध्यान दिवस का उत्साहपूर्ण उत्सव
- गुजरात राज्य योग बोर्ड के योग कोच व ट्रेनर्स का प्रथम दीक्षांत समारोह संपन्न - मुख्यमंत्री ने प्रमाणपत्र प्रदान किए
- हिमालयन समर्पण मेडिटेशन के पूज्य श्री शिवकृपानंद स्वामीजी के पावन सान्निध्य में सामूहिक ध्यान सत्र आयोजित

गांधीनगर, 21 दिसंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को योग साधना तथा ध्यान की प्राचीन परंपरा को स्वस्थ व संतुलित समाज निर्माण के लिए जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को मन की शांति और स्वस्थ एवं निरोगी जीवनशैली के साथ ध्यान तथा योग से ही समाज तथा राष्ट्र निर्माण द्वारा साकार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने अध्यक्षता करते हुए गुजरात राज्य योग बोर्ड के कोच एवं योग ट्रेनर्स के प्रथम दीक्षांत समारोह एवं विश्व ध्यान दिवस समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने योग ट्रेनर्स को बधाई देते हुए कहा कि योग शारीरिक शक्ति बढ़ाता है तथा ध्यान मन की एकाग्रता बढ़ाता है। योग करने की शक्ति का संचय ध्यान से प्राप्त होने वाली मजबूत निर्णय शक्ति द्वारा ही होता है।

मुख्यमंत्री ने ध्यान को भारत की प्राचीन परंपरा से उपजा हुआ वरदान बताते हुए कहा कि आज के तेज और तनावपूर्ण समय में मानसिक शांति के लिए यह उतना ही प्रासंगिक है।

श्री पटेल ने कहा कि भारत विश्व को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देने वाला देश है। उन्होनें गौरवपूर्ण उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग को जो वैश्विक मान्यता दिलाई; उसके परिणामस्वरूप 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री ने योग को स्वास्थ्य रक्षा का परंपरागत सरल भाग बताते हुए नियमित योग, प्राणायाम और ध्यान से रोग- बीमारी से मुक्त रहने का उपाय सुझाया है।

उन्होंने 'आयुष्यमान भारत' सुविधा की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि 'आयुष्यमान भारत' जैसी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध है, जिसमें योग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा के बावजूद यदि किसी को गंभीर बीमारी हो जाए तो उसके उपचार के लिए प्रधानमंत्री द्वारा 'आयुष्मान भारत'

सम्पादकीय

बांग्लादेश में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को कोलकाता के साइंस सिटी सभागार में संघ के शताब्दी समारोह के अवसर पर एक बार फिर दुहराया कि यदि हिंदू एकजुट हो जाएं तो स्थिति बंगाल में भी बदल जाएगी और हिंदू बांग्लादेश में भी सुरक्षित हो सवेंगे। संघ प्रमुख हिंदुओं की एकजुटता पर कई बार बोल चुके हैं। बंगाल और बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारा दिया था कि 'बंटेंगे तो कटेंगे'। योगी जी के इस नारे को विवादास्पद स्वरूप दिया गया क्योंकि भाजपा के ही वुछ अति उत्साही लोगों ने इस नारे को दूसरे समुदाय के खिलाफ घृणा पैलाने के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया और इसे सांप्रदायिक हथियार बना लिया। दरअसल डॉ. भागवत के इस संदेश एवं सलाह में कोई कमी नहीं है और न ही इससे किसी दूसरे धर्मावलम्बियों को कोई असुरक्षा है। संघ प्रमुख का आशय है कि हिंदू अपनी सुरक्षा के लिए एकजुटता का एहसास दिलाएं। 'संघे शक्तिः कलियुगे' का मंत्र यूं ही नहीं सार्थक साबित हुआ है। यह आज भी सच साबित हो रहा है कि जिन कौमों पर खतरा मंडरा रहा है, वे एकजुट होने की कोशिश कर रही हैं। भारत दुनिया का एकमात्र हिंदू बहुल देश है, इसलिए दुनिया में जहां कहीं भी हिंदू ईर्ष्या-द्वेष के शिकार हो रहे हैं, उनकी मदद करने की जिम्मेदारी भारत की है। बांग्लादेश पाकिस्तान का अभिन्न अंग था इसलिए 1950 का नेहरू-लियाकत के बीच हुआ वह समझौता पाकिस्तान पर लागू है जिसमें दोनों देशों को अपने- अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान देना आवश्यक था। कितु 1971 में यह समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच प्रभावी नहीं रह सका। 1972 में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत और पाकिस्तान ने भी शिमला समझौते में एक-दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप न करने का पैसला लेकर नेहरू-लियाकत समझौते की हवा ही निकाल दी। 1972 के पहले तो दोनों देश एक-दूसरे से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा संबंधी बयानबाजी भी करते थे कितु शिमला समझौते के बाद अब यदि दोनों देशों में से कोई एक दूसरे पर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की बात कर देता है तो उस पर तुरंत आंतरिक मामलों पर हस्तक्षेप का आरोप लगता है। मजे की बात तो यह है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 1974 में सीमा-भूमि विवाद को लेकर तो समझौता हुआ कितु अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर किसी तरह का समझौता हुआ ही नहीं। भारत में संसदीय समिति की रिपोर्ट 2024-25 में जो रिपोर्ट आई उसमें इस बात पर चिंता जताई गई है कि बांग्लादेश में हिंदुओं को काफी प्रताड़ित किया जा रहा है।

भारतीय विदेश सचिव ने औपचारिक रूप से बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार एवं विदेश विभाग को दो टूक शब्दों में भारत की चिंता से अवगत करा दिया था। अब रही बात बांग्लादेश के हिंदुओं का संदर्भ तो डॉ. भागवत का विचार यदि मान भी लें तो यह दायित्व बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की ही है कि वे वैसे अपने एकात्मकता को अपनी सुरक्षा के लिए ढाल बना सकते हैं। इतना जरूर है कि भारत अपने उच्चायोग के अधिकारियों के माध्यम से यथोचित सहायता पहुंचा सकते हैं। डॉ. भागवत जहां तक बांग्लादेश के हिंदुओं की एकात्मकता की बात कर रहे हैं तो इस राज्य में घुसपैठिए बांग्लादेशी नागरिकों से वहां के मुस्लिम समाज के मूल निवासी भी परेशान हैं। यही बांग्लादेशी घुसपैठिए पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। यह मामला पूरी तरह कानून व्यवस्था का है। यदि राज्य सरकार घुसपैठियों को आश्रय और अनुचित सुविधाएं उपलब्ध करा करके उन्हें अपना वोटर मानने की गलती न करे तो स्थिति अपने आप रास्ते पर आ जाए। बहरहाल डॉ. मोहन भागवत के कहने का आशय हिंदुओं की एकता का बोध कराना है।

अरावली खत्म होने वाली है? बवाल के बीच पर्यावरण मंत्री ने बताया क्या है सरकार का प्लान

(जीएनएस)।

अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और माइनिंग को लेकर मचे घमासान के बीच केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सरकार का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने अरावली की नई परिभाषा और माइनिंग के दावों को लेकर फैल रहे भ्रम को खारिज करते हुए कहा कि पर्वत श्रृंखला का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा आज भी पूरी तरह सुरक्षित है।

मंत्री ने साफ किया कि 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में से मात्र 0.19% हिस्से में ही खनन की अनुमति है। सरकार का यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब पर्यावरणविद और विपक्षी नेता नई परिभाषा के कारण अरावली के अस्तित्व पर खतरा बता रहे हैं।

भूपेंद्र यादव ने क्या कहा?

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के अनुसार, अरावली को लेकर सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूबरों द्वारा फैलाया जा रहा डर निराधार है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अरावली का कुल क्षेत्रफल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से केवल 217 किलोमीटर क्षेत्र में ही माइनिंग की इजाजत दी गई है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि पहाड़ियों को नापने का पैमाना जमीन से चोटी तक की समग्र ऊंचाई पर आधारित है, और सरकार 'ग्रीन अरावली मिशन' के जरिए इसके संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

100 मीटर की नई परिभाषा पर विवाद

इस पूरे विवाद की जड़ अरावली की नई परिभाषा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया है। नए नियम के तहत अब केवल उन्हीं भू-आकृतियों को 'अरावली पहाड़ी' माना जाएगा जिनकी ऊंचाई धरातल से 100 मीटर या उससे अधिक है। विशेषज्ञों और प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि इस मानक से अरावली का एक बड़ा हिस्सा कानूनी सुरक्षा के दायरे से बाहर हो जाएगा। इससे उन छोटी पहाड़ियों पर खनन और रियल एस्टेट

प्रोजेक्ट्स शुरू होने का रास्ता साफ हो सकता है, जो अब तक संरक्षित थीं।

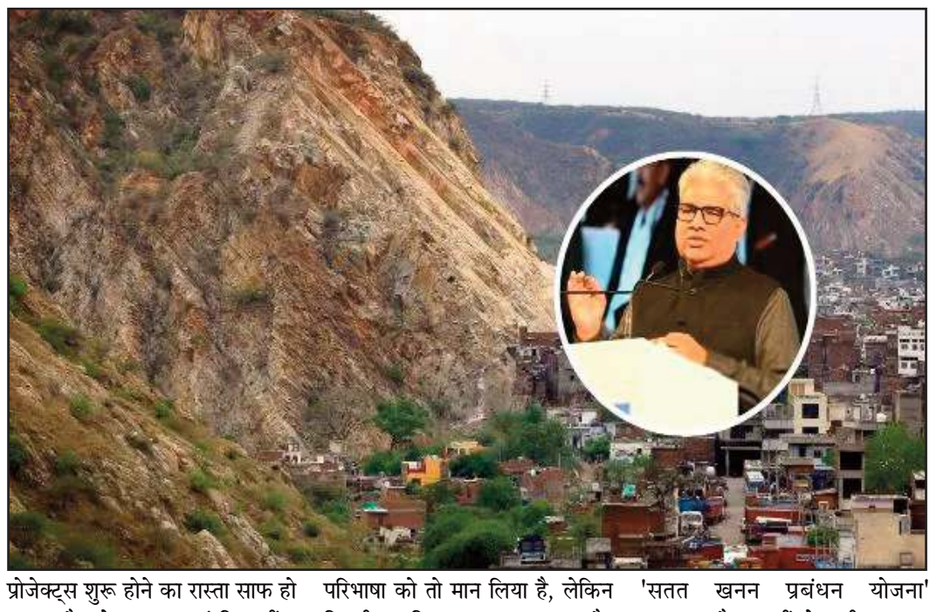

सुप्रीम कोर्ट का रुख और भविष्य की योजना

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की नई परिभाषा को तो मान लिया है, लेकिन दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में नई माइनिंग लीज पर फिलहाल अंतरिम रोक लगा दी है। यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक 'सतत खनन प्रबंधन योजना' (MPSM) तैयार नहीं हो जाती। सरकार का कहना है कि भविष्य में केवल राष्ट्रीय हित और रणनीतिक महत्व के खनिजों के लिए ही सीमित छूट दी जाएगी। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस संवेदनशील मामले में अदालत को पूरा सहयोग प्रदान करेगा।

विपक्ष का प्रहारः 'अरावली बचेगी तो ही ठउफ बचेगा'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई विपक्षी नेताओं और पर्यावरणविदों ने इस फैसले का कड़ा विरोध किया है। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी है कि अरावली सिर्फ एक पहाड़ नहीं, बल्कि दिल्ली-NCR की लाइफलाइन है। यह पर्वतमाला रेगिस्तान को बढ़ने से रोकती है और प्रदूषण कम करने में सहायक है। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि ऊंचाई आधारित परिभाषा अरावली के पारिस्थितिक तंत्र को कमजोर कर देगी, जिससे आने वाले समय में बारिश और जल स्तर पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

गुजरात में सुशासन से स्टार्टअप्स को मिली नई ऊँचाई : एसएसआईपी 2.0 तथा आई-हब बने गेम चेंजर

अटल नेतृत्व, अविरत विकास

गुजरात में सुशासन से स्टार्टअप्स को मिली नई ऊँचाई : SSIP 2.0 तथा i-Hub बने गेम चेंजर

- स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0 : पिछले 4 वर्ष में राज्य सरकार द्वारा 1,543 स्टार्टअप्स को मिली सहायता
- i-Hub के माध्यम से राज्य के लगभग 620 स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन तथा सहायता मिली
- स्टार्टअप क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण : WEstÔrt पहल अंतर्गत 196 महिला-संचालित स्टार्टअप्स को सहायता
- i-Hub में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स द्वारा राज्य में लगभग 1,400 कुशल रोजगार का सृजन, इन स्टार्टअप्स की कुल मार्केट वैल्यू 3,500 करोड़ रुपए से भी अधिक
- गुजरात सरकार की ओर से 15 लाख रुपए के अनुदान की सहायता से मनन बैटरीवाला ने स्थापित की 'कीपसेक ऑटोमेशन' कंपनी

गांधीनगर, 21 दिसंबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दृढ़तापूर्वक मानते हैं कि नवीन विचारों, टेक्नोलॉजी आधारित सॉल्यूशन्स तथा युवा उद्यमियों की शक्ति देश के सर्वांगीण विकास का आधार हैं और विकसित भारत@2047 के निर्माण में स्टार्टअप तथा इनोवेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस बात को आत्मसात करते हुए राज्य में स्टार्टअप को व्यापक प्रोत्साहन दिया है और राज्य में स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0 (SSIP 2.0) जैसी पहल के जरिये उद्यमिता क्षेत्र में सुशासन का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज गुजरात उद्यमिता के केन्द्र के रूप में उभरा है और लगातार चौथी बार स्टार्टअप रैंकिंग में अग्रसर बना है। इतना ही नहीं; केन्द्र सरकार के स्टार्टअप इंडिया प्रोग्राम में गुजरात देश में बेस्ट परफॉर्मर स्टेट है और राज्य में अनुमानित 16,700 स्टार्टअप कार्यरत हैं।

गुजरात में उद्यमिता को प्रोत्साहन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'युवा अपना बिजनेस शुरू करें और अन्य लोगों के लिए रोजगार का माध्यम बनें; यह क्षमता स्टार्टअप में है। गुजरात ने एक इकोसिस्टम बनाया है, जिसमें WEstÔrt तथा SSIP जैसे कार्यक्रम महिला उद्यमियों को सशक्त बनाते हैं।'

गुजरात का मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम : ररद्ध 2.0 अंतर्गत विद्यालय स्तर से लेकर उच्च शिक्षा स्तर तक के विद्यार्थियों को मिलती है

सर्वग्राही मेंटरशिप

युवाओं को इनोवेशन के लिए सक्षम आधार उपलब्ध हो; इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पाँच वर्ष (2022-2027) के लिए स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (SSIP 2.0) घोषित की है। इस पॉलिसी के तहत विद्यालय स्तर से लेकर उच्च शिक्षा स्तर तक के विद्यार्थियों को सृजनशीलता के पंख मिलें; इसके लिए उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं वित्तीय सहायता दी जाती है।

SSIP 2.0 अंतर्गत पिछले 4 वर्ष में 1,543 स्टार्टअप को राज्य सरकार ने दी सहायता

उल्लेखनीय है कि SSIP 2.0 अंतर्गत कुल पाँच वर्ष के लिए 300 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें प्रति वर्ष 60 करोड़ रुपए का अनुदान आवंटित किया जाता है। इसमें से 30 करड़ रुपए तकनीकी शिक्षा के लिए, 12 करोड़ रुपए i-Hub के लिए, 10 करोड़ उच्च शिक्षा के लिए और 8 करोड़ रुपए स्कूल के लिए आवंटित किए जाते हैं। ररद्ध 2.0 अंतर्गत 5,684 इनोवेशन को राज्य की 339 संस्थाओं के माध्यम से PoC/प्रोटोटाइप बनाने और 2,296 क्ढफ फाइल करने के लिए समर्थन दिया गया तथा PoC/फंड सपोर्ट अंतर्गत 32.38 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई है, तो पिछले 4 वर्ष में 1,543 स्टार्टअप्स को ररद्ध 2.0 अंतर्गत राज्य सरकार की सहायता प्राप्त हुई है।

गुजरात स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (i-Hub) द्वारा लगभग 620 स्टार्टअप्स को सीधी सहायता मिली

स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (SSIP) अंतर्गत गठित गुजरात स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (i-Hub) आज राज्य के इनोवेशन इकोसिस्टम का प्रमुख केन्द्र बन गया है। 5 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा i-Hub के नए भव्य कैम्पस का लोकार्पण किया गया था। i-Hub राज्य में इनोवेशन तथा एंटरप्रिन्योरशिप के लिए कार्यरत सबसे बड़ी सुविधा है; जहाँ सिंगल विंडो सपोर्ट के माध्यम से कानूनी, वित्तीय, तकनीकी एवं योजना संबंधी मार्गदर्शन दिया जाता है। यह सुविधा प्रारंभिक चरण के इनोवेटर्स तथा स्टार्टअप्स को उनके विचारों को सफल उद्योगों के रूप में विकसित करने में सहायता करती है।

i-Hub का नया कैम्पस लगभग 1.5 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में फैला हुआ है, जो एक साथ लगभग 500 स्टार्टअप्स का समावेश कर सकता है। i-Hub द्वारा अब तक 620 स्टार्टअप्स को सीधी सहायता दी गई है और स्टार्टअप सृजन सीड सपोर्ट योजना अंतर्गत 402 स्टार्टअप्स को 23 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई है।

गुजरात सरकार की ओर से 15 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त कर मनन बैटरीवाला बने सफल उद्यमी

i-Hub की सहायता से 'कीपसेक ऑटोमेशन' नामक बड़ी कंपनी स्थापित करने वाले श्री मनन बैटरीवाला कहते हैं, 'मैंने अपनी यात्रा की शुरूआत एक फ्रीलांसर के रूप में की थी। उसमें से जब हमने एक कंपनी स्थापित करने का विचार किया, तब i-Hub ने हमें मार्गदर्शन दिया कि कंपनी किस तरह बनाई जाए, उसे आगे किस तरह ले जाया जाए। i-Hub ने कम्प्लायंस या लीगल किसी भी प्रकार की मदद के लिए भी सपोर्ट किया। इसके अतिरिक्त; i-Hub सेंटर की सहायता से हम कंपनी की पहचान स्थापित कर सके और हमने एग्जीबिशन मंच भी प्राप्त किया। आज हमारी कंपनी में 37 लोग काम कर रहे हैं। गुजरात सरकार की ओर से हमें कुल 15 लाख रुपए का अनुदान मिला है। इस सपोर्ट के कारण आज मैं एक सफल उद्यमी बना हूँ।'

⸓-ल्ह्रु के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स द्वारा 1,400 कुशल रोजगार का सृजन हुआ

⸓-ल्ह्रु के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स द्वारा राज्य में लगभग 1,400 कुशल रोजगार का सृजन हुआ है, जबकि इन स्टार्टअप्स की कुल मार्केट वैल्यू लगभग 3,569 करोड़ रुपए तक पहुँची है। ⸓-ल्ह्रु के जरिये स्टार्टअप्स को विभिन्न वेंचर फंड्स द्वारा 416 करोड़ रुपए से अधिक का निजी फंड उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ; ⸓-ल्ह्रु ने 20 से अधिक जिलों में हब-एंड-स्पोक मॉडल द्वारा पहुँच बढ़ाई है और 4 लाख से अधिक युवाओं को स्टार्टअप तथा इनोवेशन के विषय में जागृत किया है।

हए२३१३ : महिलाओं को स्टार्टअप क्षेत्र में सशक्त बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल

स्टार्टअप क्षेत्र में महिलाओं के समावेश के लिए शुरू की गई हए२३१३ पहल के तहत 196 महिला संचालित स्टार्टअप्स को सहायता दी गई है, जो कुल सपोर्टेड स्टार्टअप्स का लगभग 30 प्रतिशत है। राज्य में स्टार्टअप तथा इनोवेशन क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने के लिए अहमदाबाद में कार्यरत ⸓-ल्ह्रु के बाद अब आगामी एक वर्ष में वडोदरा, सूरत, राजकोट तथा मेहसाणा में चार नए सेंटर शुरू किए जाएंगे। स्टार्टअप का यह मजबूत इकोसिस्टम 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के विजन में भी उल्लेखनीय योगदान देगा।

कोहली-सूर्या को पछाड़ 23 साल के इस छोरे ने जीती ऑरेंज कैप, बनाया आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

साल 2025 क्रिकेट के लिहाज से बेहद रोमांचक रहा, लेकिन जब बात क्ढछ 2025 की आती है, तो यह सीजन पूरी तरह से युवाओं के नाम रहा। इस साल जिस सितारे ने सबसे ज्यादा चमक बिखेरी, वह कोई और नहीं बल्कि गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं।

साई सुदर्शन ने इस साल वह कर दिखाया जो बड़े-बड़े दिग्गज नहीं कर पाए। महज 23 साल की उम्र में उन्होंने 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। इसी के साथ उन्होंने शुभमन गिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया और आईपीएल इतिहास के सबसे युवा ऑरेंज कैप विजेता बन गए।

साई का शतक रहा यादगार

साई ने इस सीजन में न केवल रन बनाए, बल्कि 54.21 की औसत और 156.17 के स्ट्राइक रेट से विरोधियों की धज्जियां उड़ाईं। उन्होंने सीजन में 1 शानदार शतक और 6 अर्धशतक जड़े। उनकी 108* रनों की पारी इस साल की सबसे यादगार पारियों में से

एक रही।

सूर्या और कोहली को भी पछाड़ा

मिस्टर 360 यानी सूर्यकुमार यादव (717 रन) ने सीजन के अंत में जबरदस्त वापसी की और 'मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर' (टश्ढ) भी बने, लेकिन वे साई सुदर्शन के रनों के पहाड़ को पार नहीं कर सके। वहीं, विराट कोहली 657 रनों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और एक बार फिर साबित किया कि वे अभी भी 'किंग' हैं।

गिल और मार्श का रहा बड़ा प्रभाव

शुभमन गिल की कप्तानी और रनों की निरंतरता गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल के लिए भी आईपीएल 2025 बेहद शानदार रहा। गिल ने इस सीजन में अपनी कप्तानी के साथ-साथ अपनी बल्लेबाजी से भी सबको प्रभावित किया और 650 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने इस साल अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से तबाही मचा दी। मार्श ने महज 13 मैचों में ही 627 रन ठोक दिए और टॉप-5 में पांचवां स्थान सुरक्षित किया। उनका स्ट्राइक रेट इस सीजन के टॉप बल्लेबाजों में सबसे घातक रहा, जिसके दम पर उन्होंने बड़े-बड़े गेंदबाजों की लाइन-लेंथ बिगाड़ दी।

शार्दुल ठाकुर के घर गूंजी किलकारी, पत्नी मिताली ने दिया बेटे को जन्म, फैंस बोले- जूनियर लॉर्ड आ गया

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर और 'लॉर्ड' के नाम से मशहूर शार्दुल ठाकुर के जीवन में एक नई खुशी ने दस्तक दी है। शार्दुल और उनकी पत्नी मिताली पारुलकर एक प्यारे से बेटे के माता-पिता बन गए हैं। इस खबर के सामने आते ही क्रिकेट जगत और उनके फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।

जैसे ही शार्दुल के पिता बनने की खबर सार्वजनिक हुई, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई है। भारतीय टीम के उनके साथी खिलाड़ियों समेत फैंस उन्हें 'जूनियर लॉर्ड' के आने पर

शुभकामनाएं दे रहे हैं। शार्दुल फिलहाल मैदान से बाहर अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का आनंद ले रहे हैं।

शार्दुल ठाकुर और मिताली पारुलकर ने एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट करने के बाद 27 फरवरी 2023 को मुंबई में एक भव्य समारोह में शादी रचाई थी। उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। अब शादी के लगभग पौने दो साल बाद इस जोड़े के घर में पहली संतान का आगमन हुआ है।

शार्दुल ठाकुर भारतीय टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं, खासकर टेस्ट और वनडे क्रिकेट में उनकी 'ब्रेकथ्रू' दिलाने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। घरेलू क्रिकेट में वे मुंबई का प्रतिनिधित्व करते हैं और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। आईपीएल में इस बार शार्दुल ठाकुर मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आएँगे।

अंडर 19 एशिया कप में हाई लेवल ड्रामा, भारतीय टीम ने दिखाई मोहसिन नकवी को औकात, मेडल लेने से किया इनकार

(जीएनएस)।

अंडर-19 एशिया कप 2025 का फाइनल मुकाबला न केवल क्रिकेट के रोमांच, बल्कि मैदान के बाहर के 'ड्रामा' के लिए भी याद रखा जाएगा। पाकिस्तान ने भारत को 191 रनों से हराकर खिताब तो अपने नाम कर लिया, लेकिन प्रेजेंटेशन सेरेमनी (पुरस्कार वितरण समारोह) के दौरान भारतीय खिलाड़ियों के एक कदम ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया।

जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष और एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के प्रमुख मोहसिन नकवी विजेताओं और उपविजेताओं को मेडल देने के लिए स्टेज पर आए, तो भारतीय खिलाड़ियों ने उनके साथ स्टेज साझा करने से साफ इनकार कर दिया। टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने मुख्य मंच पर जाने के बजाय, एक आईसीसी अधिकारी से अपने रनर-अप मेडल लिए।

पुरानी दुश्मनी और ताजा विवाद

यह पहली बार नहीं है जब टीम इंडिया ने मोहसिन नकवी को नजरअंदाज किया हो। इससे पहले सितंबर 2025 में हुए सीनियर एशिया कप के दौरान भी भारतीय टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव और हाल ही में हुए कुछ घटनाक्रमों की वजह से भारतीय टीम ने यह कड़ा रुख अपनाया है।

नकवी ने पाकिस्तान टीम के साथ मनाया जश्न

भारतीय टीम द्वारा 'स्नब' किए जाने के बाद मोहसिन नकवी सीधे पाकिस्तानी टीम के पास चले गए। उन्होंने कप्तान फरहान यूसुफ को ट्रॉफी सौंपी और फिर पाकिस्तानी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते हुए फोटो खिंचवाई। वे पाकिस्तानी खिलाड़ियों के 'विक्ट्री लैप' (मैदान का चक्कर) के दौरान भी उनके साथ नजर आए।

पाकिस्तान ने किया बढ़िया प्रदर्शन

एशिया कप के फाइनल मैच में आज का दिन भारत के लिए खराब रहा। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने 347 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया। इसके बाद टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम महज 156 के कुल स्कोर पर आउट हो गई।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

अहमदाबाद मंडल के आम्बली रोड स्टेशन पर बनाया जा रहा है "रेल कोच रेस्टोरेंट"

नागरिकों को मिलेगा यात्रा जैसा अनुभव, स्वादिष्ट भोजन और विभिन्न सुविधाएँ

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा आंबली रोड रेलवे स्टेशन पर आधुनिक 'रेल कोच रेस्टोरेंट' का निर्माण किया जा रहा है। इस अनूठी पहल के तहत परिवर्तित रेल कोचों में रेस्टोरेंट विकसित किया जा रहा है, जहाँ बैठकर लोग बिना यात्रा किए ही चलती ट्रेन में होने जैसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे। आंबली रोड स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट अहमदाबाद क्षेत्र का पहला रेस्टोरेंट होगा। पश्चिम रेलवे में बांद्रा टर्मिनस, अंधेरी, बोरीवली, रतलाम तथा राजकोट में रेल कोच रेस्टोरेंट स्थापित किए गए है।

इस रेल कोच रेस्टोरेंट में 24 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों को भी दिन-रात भोजन की सुविधा मिलेगी। अहमदाबाद की जनता यहाँ परिवार और मित्रों के साथ बैठकर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद ले सकेगी तथा आकर्षक रेल-थीम वातावरण में सेल्फी और यादगार पलों का आनंद उठा सकेगी। इस रेस्टोरेंट में इनडोर एवं आउटडोर डाइनिंग दोनों विकल्प होंगे। इसके साथ ही पर्याप्त पार्किंग, पार्सल/टेक-अवे सुविधा तथा बच्चों के लिए खेलने की व्यवस्था (फन जोन) भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यह स्थान परिवार-अनुकूल बन सके। यह रेस्टोरेंट हरियाली से युक्त सुखद वातावरण प्रदान करेगा तथा सभी सुरक्षा मानको का ध्यान रखकर बनाया जा रहा है।

आंबली रोड के अतिरिक्त, महेसाणा, साबरमती, भुज एवं गांधीधाम रेलवे स्टेशनों के सकुर्लेटिंग एरिया में भी 'रेल कोच रेस्टोरेंट' विकसित किए जाने की योजना है।

भारतीय रेलवे के अभिनव दृष्टिकोण के तहत इन संशोधित कोचों में आधुनिक डिजाइन, संलग्न किचन तथा मल्टी-क्यूज़िन मेनू की सुविधा होगी, ताकि विभिन्न स्वादों की पसंद को पूरा किया जा सके।

देशभक्ति के जज्बे की बौछारों में भीगा सभागार..₹विरासत₹ की पहली सालगिरह पर विमोचन समारोह बना यादगार

मुंबई, 21 दिसम्बर। मुंबई की प्रमुख सामाजिक और साहित्यिक संस्था "श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन" द्वारा प्रकाशित की जाने वाली प्रमुख साहित्यिक पत्रिका "विरासत" की प्रथम वार्षिकी एवं नवीन अंक के विमोचन के अवसर पर शनिवार, 20 दिसम्बर, 2025 को आयोजित भव्य साहित्यिक और सांस्कृतिक समारोह सहभागी दर्शकों के लिए यादगार बन गया, जब सुप्रसिद्ध नृत्य समूह कलानंद नृत्य संस्था, ठाणे की कत्थक गुरु सुश्री भावना संजीव लेले के निर्देशन में प्रतिभावान किशोरी नृत्यांगनाओं द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की संकल्पना को समर्पित शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से समूचा सभागार देशभक्ति के पावन जज्बे की बौछारों में भीगकर अभिभूत दर्शकों की तालियों से गूंज उठा।

प्रमुख साहित्यिक पत्रिका 'विरासत' की पहली सालगिरह पर आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में नवीनतम अंक का विमोचन करते विभिन्न अतिथिगण तथा दीप प्रज्ज्वलन, समूह नृत्य एवं गान प्रस्तुतियों के विभिन्न दृश्य।

यह सुरुचिपूर्ण समारोह शनिवार, 20 दिसम्बर, 2025 को शाम 4 से 7 बजे तक ठाणे के डॉ. काशिनाथ घाणेकर नाट्य गृह के मिनी हॉल में सम्पन्न हुआ, जिसमें "विरासत" पत्रिका की पहली सालगिरह पर नवीन अंक के विमोचन के अलावा भक्ति रस एवं देशभक्ति पर आधारित नृत्य नाटिका, समूह नृत्य गान तथा इन्द्रधनुषी कवि सम्मेलन का आयोजन भी रखा गया। इस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ राजनेता और समाजसेवी एडवोकेट संदीप लेले उपस्थित रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध गीतकार तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर द्वारा की गई। प्रारम्भ में "श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन" की अध्यक्षा और "विरासत" पत्रिका की प्रधान सम्पादक श्रीमती रागिनी शाह और समारोह के संयोजक प्रसून शाह ने सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत सत्कार किया। दीप प्रज्ज्वलन से शुरू हुए इस समारोह में मुंबई के प्रमुख साहित्यकार नवीन चतुर्वेदी, डॉ. कृपाशंकर मिश्र, ओमप्रकाश तिवारी, आनंद सिंह, पूजा अलापुरिया, लक्ष्मी यादव, अरुण शेखर, रीमा राय सिंह, डॉ वर्षा महेश, अर्चना वर्मा सिंह, अनुज वर्मा, किरण मिश्रा, रीता कुशवाहा, कुसुम तिवारी, अम्बिका झा, जागृति सिन्हा, अर्चना झा, निधि शुक्ला, सूर्य जीत मौर्या, माया मेहता और पल्लवी रानी सहित विभिन्न कविगण और कवयित्रियाँ शामिल रहीं। कलानंद नृत्य संस्था, ठाणे की कलाकारों द्वारा भक्ति रस पर आधारित कत्थक नृत्य के अंतर्गत गणेश भक्ति, श्रीराम भक्ति, कृष्ण भक्ति और विठ्ठल भक्ति के अलावा विभिन्न देशभक्ति गीतों तथा अंत में वंदे मातरम नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। समारोह के अंत में मशहूर गीत "मिले सुर मेरा तुम्हारा" का भावपूर्ण प्रदर्शन सुश्री मंजू गुलराजानी के निर्देशन में उषा रायचौधरी, बापू भोगते, आभा दवे, माला महाराज, वीना कुलकर्णी, विजयलक्ष्मी भट्ट, रीता चक्रवर्ती, दीपिका राजन, सुधा केडिया और नीलम एच द्वारा किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। समारोह का सुरुचिपूर्ण मंच संचालन संयुक्त रूप से त्रिलोकीनाथ और डॉ. वर्षा महेश ने किया। इस अवसर पर अन्य उपस्थित राजनेताओं में सोनम शर्मा, संतोष जयसवाल, सिरजा जयसवाल, विक्रम भोईर, राकेश चौगुले, समीरा भारती, भास्कर बेरीशेट्टी, रागिनी भास्कर बेरीशेट्टी, अश्विन शेट्टी, मंजुला मालेकर, प्रतिभा पांडे, रंजना हजारे, सचिन पंजाबी, रितु सेखों और वंदना त्रिपाठी शामिल रहीं। इस अवसर पर "विरासत" पत्रिका की पहली सालगिरह का उत्सव भी मनाया गया तथा मंच पर मौजूद विभिन्न अतिथियों ने "विरासत" पत्रिका के नवीनतम अंक का विमोचन भी किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अंत में श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आशीष शाह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन द्वारा विशिष्ट अतिथि एडवोकेट संदीप लेले एवं विरासत पत्रिका के प्रबंध निदेशक आशीष शाह का जन्मदिन मंच पर केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

भावनगर मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता से 06 सिंहों को ट्रेन की चपेट में आने से बचाया गया

भावनगर रेलवे मंडल द्वारा सिंहों/वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। मंडल के निदेर्शानुसार ट्रेनों का संचालन करने वाले लोको पायलट निर्धारित गति का पालन करते हुए विशेष सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। भावनगर मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता एवं वन विभाग के फॉरेस्ट ट्रैकरों के समन्वय से पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 159 सिंहों की जान बचाई जा चुकी है। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 81 सिंहों को सुरक्षित बचाया गया है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि दिनांक 21.12.2025 (रविवार) को लोको पायलट श्री अनीश शेख एवं सहायक लोको पायलट श्री फरमान हुसैन ने सासणगीर-कांसियानेश सेक्शन में किलोमीटर संख्या 112/7-112/6 के बीच रेलवे ट्रैक पर 06 सिंहों को देखा। तत्पश्चात उन्होंने ट्रेन संख्या 52955 वेरावल-जूनागढ़ यात्री गाड़ी को तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर सुरक्षित रूप से रोक लिया।

लोको पायलट द्वारा ट्रेन मैनेजर (गार्ड) श्री विद्यानन्द कुमार को तुरंत सूचना दी गई। वन विभाग के फॉरेस्ट ट्रैकर श्री राणा भाई द्वारा सभी सिंहों को सुरक्षित रूप से रेलवे ट्रैक से हटाया गया। स्थिति सामान्य पाए जाने के उपरांत लोको पायलट को ट्रेन के प्रस्थान की अनुमति दी गई, जिसके बाद ट्रेन को सावधानीपूर्वक गंतव्य की ओर रवाना किया गया।

इस घटना की जानकारी प्राप्त होने पर लोको पायलटों द्वारा किए गए इस सराहनीय एवं संवेदनशील कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा प्रशंसा व्यक्त की गई।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने विश्व ध्यान दिवस मनाया और तनाव प्रबंधन में ध्यान की वैज्ञानिक भूमिका पर प्रकाश डाला

एमडीएनआईवाई के विशेषज्ञों के अनुसार, ध्यान तनाव प्रबंधन और न्यूरोप्लास्टिसिटी के लिए एक वैज्ञानिक उपकरण है

(जीएनएस)। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने आज विश्व ध्यान दिवस मनाया। इस अवसर पर विशेष ध्यान सत्रों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात विद्वान, योग करने वाले और उत्साही लोग एक साथ आए। इस आयोजन ने बढ़ते वैश्विक तनाव के बोझ से निपटने में प्राचीन योगिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के संगम को रेखांकित किया।

एमडीएनआईवाई के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समागंडी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आज के प्रतिस्पर्धी विश्व में ध्यान के नैदानिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि लगभग 60 से 70 प्रतिशत तनाव व्यावसायिक प्रकृति का होता है और पतंजलि योगसूत्र में वर्णित तकनीकों के माध्यम से शरीर और मन को संतुलित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। समकालीन शोध का हवाला देते हुए उन्होंने समझाया कि न्यूरोइमेजिंग अध्ययनों से पता चलता है कि ओम का जाप करने से

एमिग्डाला – मस्तिष्क का भय और नकारात्मक भावनाओं का केंद्र- की गतिविधि कम हो जाती है, क्योंकि यह प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स को सक्रिय करता है जो भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। एक एफएमआरआई अध्ययन ने विश्राम अवस्था की तुलना में तेज आवाज में ओम का जाप करने के दौरान एमिग्डाला की महत्वपूर्ण निष्क्रियता को प्रदर्शित किया है। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईएमएस), नई दिल्ली के निष्कर्षों का भी हवाला दिया जो यह दर्शाते हैं कि योग निद्रा से मस्तिष्क की क्रिया में परिवर्तन होते हैं जो गहन विश्राम और भावनात्मक विनियमन से जुड़े होते हैं जिससे तनाव कम होता है।

ध्यान की आध्यात्मिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए, नई दिल्ली के रामकृष्ण मिशन के स्वामी मुक्तिमयानंद ने प्रतिभागियों को स्थायी शांति के लिए अंतमुर्खी होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानसिक उतार-चढ़ाव को शांत करने की शुरूआत आत्म-समझ और अपने सच्चे स्वरूप – सत चित आनंद स्वरूप – की पहचान से होती है, जो प्रेम और करुणा पर आधारित है। उन्होंने अहंकार, ईर्ष्या और अधूरी इच्छाओं पर काबू पाने के लिए यम और नियम का पालन करने पर भी बल दिया जो आंतरिक सामंजस्य को भंग करते हैं।

इस कार्यक्रम में विभिन्न ध्यान तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसिक और भावनात्मक लचीलेपन को बढ़ाने के लिए प्रभावी उपकरण प्रदान करना था। कार्यक्रम का समापन "स्वस्थ मन, स्वस्थ भारत" के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए दैनिक जीवन में ध्यान को शामिल करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम में विश्वास मेडिटेशन, नई दिल्ली के श्री अतुल चावला, एमडीएनआईवाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आई.एन. आचार्य और एमडीएनआईवाई के संचार एवं प्रलेखन अधिकारी मोहम्मद तैयब आलम उपस्थित थे। कार्यक्रम में योगाभ्यास करने वालों, छात्रों, संकाय सदस्यों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित लगभग 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर सामूहिक ध्यान सत्र का आयोजन

(जीएनएस)। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 21 दिसंबर 2025 को आर्ट ऑफ लिविंग के अनुभवी प्रशिक्षकों के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर सामूहिक ध्यान सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को मानसिक शांति, सकारात्मक सोच तथा आत्मिक संतुलन की ओर प्रेरित करना था, ताकि वे दैनिक जीवन के तनाव और चुनौतियों का सामना अधिक सहजता एवं आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

वर्तमान समय में बढ़ते वैश्विक तनाव, कार्यस्थल के दबाव तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए विश्व ध्यान दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिवस मानवता को एक क्षण ठहरकर स्वयं से जुड़ने, आंतरिक शांति प्राप्त करने तथा सकारात्मक ऊर्जा को अपनाने का संदेश देता है।

ध्यान सत्र के दौरान प्रतिभागियों को ध्यान के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक महत्व के बारे में जानकारी दी गई। नियमित ध्यान से व्यक्ति में भावनात्मक स्थिरता आती है, आध्यात्मिक विकास को बल मिलता है, तनाव में कमी होती है तथा समाज में सामुदायिक जुड़ाव और आपसी सौहार्द बढ़ता है। उपस्थित प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि ध्यान के माध्यम से मन को एकाग्र कर नकारात्मक विचारों से ऊपर उठकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है।

यह सामूहिक ध्यान सत्र अहमदाबाद मंडल के साबरमती कम्युनिटी सेंटर, विरमगाम कम्युनिटी सेंटर, कांकरिया कम्युनिटी सेंटर तथा गांधीधाम कम्युनिटी सेंटर में आयोजित किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में रेल अधिकारियों एवं रेल कर्मचारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने शांत वातावरण में ध्यान का अभ्यास किया और मानसिक सुकून का अनुभव किया।

इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के प्रेरणादायी विचारों को भी साझा किया गया कि 'ध्यान ही वह माध्यम है जिससे नकारात्मक विचारों से ऊपर उठकर सकारात्मकता स्वतः और स्वाभाविक रूप से आती है।'

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल सभी रेल कर्मचारियों से अपील करता है कि वे अपने दैनिक जीवन में ध्यान को अपनाएं तथा ऐसे सामूहिक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करें, जिससे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ कार्यक्षमता, आपसी समन्वय एवं सामाजिक सद्भाव को भी मजबूती मिल सके।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में 'विश्व ध्यान दिवस' समारोह में भाग लिया

- मन की शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए ध्यान अत्यंत महत्वपूर्णः उपराष्ट्रपति
- सच्चे विकास में भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण शामिलः उपराष्ट्रपति
- भारत की आध्यात्मिक परंपराएं विश्व का मार्गदर्शन करती हैंः उपराष्ट्रपति
- उपराष्ट्रपति ने ध्यान को वैश्विक स्तर पर फैलाने में 'दाजी' के योगदान की सराहना की

(जीएनएस)। भारत के उपराष्ट्रपति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में आयोजित 'विश्व ध्यान दिवस' समारोह में भाग लिया और मन की शांति, भावनात्मक कल्याण तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में ध्यान की शाश्वत प्रासंगिकता पर विशेष बल दिया।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान एक सार्वभौमिक पद्धति है जो सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक सीमाओं से परे है। उन्होंने इसे मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और आंतरिक परिवर्तन के मार्ग के रूप में वर्णित किया और इस बात पर जोर दिया कि 'विश्व ध्यान दिवस' आधुनिक जीवन में चिंतन के बढ़ते महत्व को पहचानने का एक अवसर देता है।

उपराष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित करने में भारत की भूमिका का उल्लेख किया, जिसके तहत 21 दिसंबर को 'विश्व ध्यान दिवस' घोषित किया गया था। उन्होंने कहा, विश्व ध्यान दिवस से मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने में ध्यान की शक्ति को वैश्विक मान्यता मिली है। इस अवसर पर उन्होंने ध्यान के अभ्यास को विश्व भर में फैलाने के लिए 'दाजी' के योगदान की सराहना की और कहा कि ध्यान, योग और आध्यात्मिक खोज की अपनी सदियों पुरानी परंपराओं के साथ भारत आज भी विश्व को शाश्वत ज्ञान प्रदान कर रहा है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत का जिक्र करते हुए श्री राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में ध्यान को हमेशा से मन और आत्मा का एक प्राचीन विज्ञान माना गया है, जिसे ऋषियों-मुनियों ने आगे बढ़ाया है। भगवदगीता और तमिल के महान ग्रंथ 'तिरुमंथिरम' की सीख का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ध्यान के जरिए मन पर काबू पाने से ही इंसान को आंतरिक शांति मिलती है, वह खुद को बेहतर ढंग से समझ पाता है और एक अच्छा जीवन जी पाता है।

उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को पाने में ध्यान की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि देश के विकास का मतलब सिर्फ आर्थिक तरक्की ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक उत्थान भी होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ध्यान के जरिए हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहाँ शांति हो, लोग मुश्किलों का सामना करने की ताकत रखें और एक-दूसरे के प्रति सद्भाव रखें।

मिशन लाइफ' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान से जागरूकता, जिम्मेदारी और प्रकृति के साथ तालमेल जैसे गुण विकसित होते हैं, जो स्थायी जीवन जीने के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 'कान्हा शांति वनम' की सराहना की।

नागरिकों से ध्यान को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए, श्री राधाकृष्णन ने लोगों, परिवारों और समाज से आग्रह किया कि वे खुद इसका उदाहरण बनें। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों को भी उन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जो मानसिक शांति, संतुलन और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा, तेलंगाना सरकार के मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू, हार्टफुलनेस मेडिटेशन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक दाजी कमलेश डी. पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बिहार वालों की जेब पर रेलवे का प्रहार! जानिए पटना से दिल्ली, कोलकाता और मुंबई का नया किराया

(जीएनएस)। रेलवे ने लंबी दूरी का सफर तय करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए किराए में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इसका सीधा प्रभाव बिहार से दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर जैसे महानगरों की ओर जाने वाले यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे ने 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए किरायों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की है, जो स्लीपर और 3अउ दोनों श्रेणियों पर लागू होगी।

यह नया नियम 26 दिसंबर से प्रभावी होगा। हालांकि यह वृद्धि मामूली लग सकती है, लेकिन लंबी दूरी के यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग के समय अब थोड़ा अतिरिक्त बजट रखना होगा।

स्लीपर क्लास के लिए कितना बढ़ा किराया

रेलवे ने 215 किमी से अधिक की यात्रा पर 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की है। नए किराए 26 दिसंबर 2025 से लागू होंगे।

पटना से दिल्ली (1000 किमी): अब आपको टिकट बुक करते समय लगभग ₹20 अतिरिक्त देने होंगे।

पटना से मुंबई (1700 किमी): यात्रा के लिए आपकी जेब

₹34 ज्यादा ढीली होगी।

पटना से बैंगलोर (2150 किमी): इस लंबे रूट पर किराए में करीब ₹43 की वृद्धि होगी।

पटना से कोलकाता (533 किमी): कम दूरी होने के कारण यहां केवल ₹11 के आसपास किराया बढ़ेगा।

अन्य शहरः दरभंगा, कटिहार और मुजफ्फरपुर से अहमदाबाद या हैदराबाद जाने वाले यात्रियों को भी ₹30 से ₹45 तक अतिरिक्त चुकाने होंगे।

मध्यम वर्ग के सफर पर असर

जो यात्री बेहतर सुविधा के लिए 3अउ क्लास का चुनाव करते हैं, उन्हें भी स्लीपर के बराबर यानी 2 पैसे प्रति किलोमीटर की अतिरिक्त राशि चुकानी होगी। पटना से कोलकाता (533 किमी) की यात्रा अब करीब ₹11 महंगी हो जाएगी, जबकि हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों के लिए यह वृद्धि ₹30 से ₹45 के बीच रहेगी। इलाज और व्यापार के सिलसिले में अक्सर महानगरों का चक्कर लगाने वाले यात्रियों के लिए अब यात्रा खर्च का हिसाब थोड़ा बदल जाएगा।

26 दिसंबर से लागू होंगे नए नियम

यह बदलाव इसी महीने की 26 तारीख से देशभर में लागू होने जा रहा है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह कदम व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और संचालन खर्च को संतुलित करने के लिए उठाया गया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे 26 दिसंबर के बाद अपनी यात्रा की योजना बनाते समय नए किराया चार्ट को जरूर देख लें। जो लोग पहले ही अपनी टिकट बुक करा चुके हैं, उन पर इस बढ़े हुए किराए का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पीलीभीतः-दबंगों का आतंक, पुलिस की चुप्पी! महिला को बेरहमी से मारपीट, थाने से भगा दी गई पीड़िता

(जीएनएस)।

बिलसंडा (पीलीभीत)।

बिलसंडा थाना क्षेत्र के एक गांव में दबंगों द्वारा महिला के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के कुछ दबंगों ने महिला के घर में घुसकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे पीड़िता के शरीर पर खुली और गुम चोटें आई हैं।पीड़िता न्याय की आस में जब बिलसंडा थाने पहुंची तो वहां तैनात दरोगा मनोज कुमार पर गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़िता का कहना है कि दरोगा ने उसकी शिकायत को नजरअंदाज करते हुए न तो उसका मेडिकल परीक्षण कराया और न ही प्राथमिकी दर्ज की, बल्कि उसे थाने से भगा दिया गया।बताया जा रहा है कि दरोगा मनोज कुमार पर इससे पहले

भी भ्रष्टाचार और पीड़ितों को परेशान करने के कई आरोप मीडिया के माध्यम से उजागर हो चुके हैं। इसके बावजूद अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। भारतीय किसान यूनियन द्वारा भी पूर्व में पुलिस अधीक्षक को दरोगा मनोज कुमार के भ्रष्टाचार की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन उस पर भी कोई अमल नहीं हुआ।स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस अधीक्षक की कथित संरक्षण में दरोगा मनोज कुमार लगातार पीड़ितों को परेशान करता आ रहा है और दबंगों से साठगांठ कर अवैध धन उगाही में लिप्त है। ऐसे मामले आए दिन मीडिया में सामने आ रहे हैं, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।अब देखना यह होगा कि महिला के साथ हुई इस घटना और दरोगा पर लगे गंभीर आरोपों को संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक बिलसंडा थाने से दरोगा मनोज कुमार का तबादला करते हैं या उनके खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई की जाती है। पीड़िता सहित क्षेत्रवासियों को न्याय की प्रतीक्षा है।

हृदय स्थल हजरतगंज में स्थित सिसली कैफे हुक्का बार फिर सुर्खियों में

(जीएनएस)।

लखनऊ। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हुक्का बार के अंदर एक व्यक्ति के पास बंदूक रखी दिखाई दे रही है। वीडियो के सामने आने के बाद लोगों में तीखी प्रतिक्रिया है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। दावा है कि यह वही हुक्का बार है, जो लंबे समय से विवादों में रहा है। इससे पूर्व भी यहां मारपीट की घटना सामने आई थी, जिसमें एक युवक अली के सिर पर हमला कर उसे घायल कर दिया गया था। इतने बवाल के बावजूद हुक्का बार का संचालन जारी है। यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर पुलिस किस बात का इंतजार कर रही है हुक्का बार संचालक का दावा है कि उनका लाइसेंस हो चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश में हुक्का बार के संचालन की किसी प्रकार की लाइसेंस व्यवस्था नहीं है। संचालक हाई कोर्ट में यह कहते हुए पहुँचे कि वे तम्बाकू रहित हुक्का चलाते हैं, लेकिन वीडियो में बंदूक देख लोगों की भौंहें तन गईं।

जनमानस पूछ रहा है क्या संचालक कानून को जेब में रखकर धौंस जमाने का खेल खेल रहे हैं? क्या संदेश है कि खुलेआम असलहा लहराकर शानदार कैफे की आड़ में गुंडागर्दी पनप रही है? अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पुलिस आखिर कार्रवाई कब करेगी? क्या बंदूक वैध थी या उसका लाइसेंस था? क्या उस व्यक्ति पर एफआईआर होगी? 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' की तरह अगर जांच लंबी खिंची तो मामला ठंडे बस्ते में जाने की आशंका है। कानून की नजर में सब बराबर हैं या यहां रसूखदारों के आगे पुलिस भी नतमस्तक है? सवाल कई हैं, जवाब ढूंढना पुलिस की जिम्मेदारी है। अब देखना होगा कि पुलिस इस वायरल वीडियो को कितनी गंभीरता से लेती है और क्या हुक्का बार पर शिकंजा कसकर यह संदेश देगी कि 'कानून की नजर में कोई बड़ा नहीं है।

रक्षा मंत्रालय में रिश्वतखोरी का बड़ा खुलासा, तीन लाख कैश के साथ सीबीआई ने लेफ्टिनेंट कर्नल समेत दो को किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा को एक बड़े रिश्वतखोरी मामले में गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक निजी व्यक्ति विनोद कुमार को भी हिरासत में लिया गया है। दोनों की गिरफ्तारी 20 दिसंबर 2025 को की गई। सीबीआई ने यह मामला 19 दिसंबर 2025 को विश्वसनीय सूचना के आधार पर दर्ज किया था। आरोप है कि लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा, जो रक्षा उत्पादन विभाग में डिप्टी प्लानिंग ऑफिसर (इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड एक्सपोर्ट्स) के पद पर तैनात थे, निजी रक्षा कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने के बदले नियमित रूप से रिश्वत लेते थे। इस साजिश में उनकी पत्नी कर्नल काजल बाली, जो श्रीगंगानगर (राजस्थान) में 16 इन्फैंट्री डिवीजन ऑर्डनेंस यूनिट की कमांडिंग ऑफिसर हैं, सहित अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सीबीआई के अनुसार, दुबई स्थित एक कंपनी के भारत संचालन से जुड़े राजीव यादव और रवजीत सिंह बेंगलुरु से काम कर रहे थे और लगातार लेफ्टिनेंट कर्नल शर्मा के संपर्क में थे। इन्हीं के कहने पर 18 दिसंबर 2025 को विनोद कुमार ने 3

लाख रुपये की रिश्वत लेफ्टिनेंट कर्नल को सौंपी। जांच के दौरान सीबीआई ने श्रीगंगानगर, बेंगलुरु, जम्मू और अन्य स्थानों पर छापेमारी की। दिल्ली स्थित लेफ्टिनेंट कर्नल के आवास से 3 लाख रुपये की रिश्वत राशि, 2.23 करोड़ रुपये नकद और श्रीगंगानगर स्थित आवास से 10 लाख रुपये नकद के अलावा कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। नई दिल्ली स्थित कार्यालय परिसर में भी तलाशी जारी है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 23 दिसंबर 2025 तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। CBI ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

माघ मेला 2026 में श्रद्धालुओं हेतु कुल 43 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं

(जीएनएस)। **प्रयागराज**

इन पार्किंग स्थलों के चिन्हांकन हेतु सभी स्थानों पर विविध जीव-जंतुओं के चिह्न अंकित किए जा रहे हैं। सभी मार्गों के कुछ प्रमुख पार्किंग स्थलों के चिन्ह निम्नवत हैं। अन्य सभी पार्किंग स्थलों के चिन्हों का विवरण संलग्नित पीडीएफ में है।

जौनपुर मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं हेतु 4 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं जिनमें पूरे सूरदास पर कंगारू, चीनी मिल पर शेर , ओल्ड जीटी कछार पर बारासिंघा तथा सरस्वती पार्किंग पर चीते का निशान अंकित रहेगा। रीवा मार्ग पर 5 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं जिनमें गजिया ग्राम पर कउआ, नवप्रयागम 01 पर चील तथा नवप्रयागम 02 पर ऑस्ट्रिच अंकित रहेगा। वाराणसी मार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं हेतु उस मार्ग पर 6 पार्किंग स्थल बनाए गए जिनमें त्रिवेणीपुरम पूरब पर ऊँट, त्रिवेणीपुरम पश्चिम पर घोड़ा तथा छतनाग पर भेड़ का चिन्ह अंकित रहेगा। इसी क्रम में मिजार्पुर मार्ग पर 3 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं जिसमें डीपीएस कछार पर मुर्गा, देवरख उपहार पर बतख तथा ओमेक्स पार्किंग पर कबूतर का निशान अंकित रहेगा। कानपुर मार्ग पर 18 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं जिनमें से जॉर्जटाउन एसोसिएशन पार्किंग पर बगुला, सीएमपी पर गिलहरी तथा केपी कालेज पार्किंग पर गैंडे का निशान अंकित होगा। लखनऊ मार्ग पर 7 पार्किंग स्थल बनाए गए हैं जिनमें कर्नलगंज इंटर कालेज पर चमगादड़, छोटा भगाड़ा पर पेंग्विन तथा बख्शी बाँध पर स्नेल का निशान अंकित रहेगा।

इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी का प्रकल्प बृज की रसोईः आशियाना में मानवता और ससम्मान सेवा की सराहनीय मिसाल

आशियाना में सेवा, सम्मान और सहयोग का संदेश देती बृज की रसोई की पहलः संजय श्रीवास्तव मानवता के पथ पर निरंतर अग्रसर बृज की रसोई, आशियाना में सेवा कार्य सम्पन्नः विपिन शर्मा

(जीएनएस)।

लखनऊ। इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (पंजीकृत) द्वारा संचालित सामाजिक प्रकल्प बृज की रसोई के अंतर्गत प्रत्येक रविवार की भांति 21 दिसम्बर 2025 को आशियाना, लखनऊ में एक निःशुल्क भोजन वितरण सेवा का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा नीम करौली जी की असीम कृपा और प्रेरणा से किया गया। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा नें बताया इस सेवा आयोजन में समाज के असहाय, जरूरतमंद, श्रमिक वर्ग, बच्चों एवं बेसहारा लोगों को सम्मानपूर्वक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। आयोजन का उद्देश्य केवल भूख मिटाना नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना है। संजय श्रीवास्तव नें अवगत कराया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संस्था के पदाधिकारी, सदस्य, स्वयंसेवक एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने पूरे समर्पण और अनुशासन के साथ सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। अनुराग दुबे नें बताया बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान और जरूरतमंदों की संतुष्टि इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। संस्था के विकास पाण्डेय ने बताया कि बृज की रसोई पिछले लंबे समय से निरंतर निःशुल्क भोजन सेवा के माध्यम से समाज के वंचित वर्ग तक सहायता पहुँचाने का कार्य कर रही है। आशीष श्रीवास्तव कहते है यह सेवा जनसहयोग और दानदाताओं की उदारता से संभव हो पा रही है। आप सभी जन मानस से आग्रह है कि पुण्य कार्य में आगे आकर सहभागी बनें। दीपक भुटियानी ने जानकारी दी कि आज का निःशुल्क भोजन वितरण सेक्टर-एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पार्क, डॉ० भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पास स्थित झुग्गी-झोपड़ियाँ, निमार्णाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के अस्थायी आवास, नगर निगम जोन-8 की मलिन बस्तियाँ तथा रतनखंड पानी टंकी सहित अनेक क्षेत्रों में संपन्न हुआ। इस दौरान लगभग 1500 निराश्रित, असहाय एवं जरूरतमंदों को सप्रेम भोजन आलू मटर-टमाटर, चावल एवं गाजर का हलुआ परोसा गया। आज के कार्यक्रम में संस्था के समर्पित पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक दीपक भुटियानी, संजय श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, आशीष श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, नवल सिंह, हीरा सिंह, दिनेश पाण्डेय, एवं गोविन्द सिंह ठाकुर सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम शांति, अनुशासन और सेवा-भाव के साथ सम्पन्न हुआ। हीरा सिंह ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार की सेवा गतिविधियाँ निरंतर जारी रहेंगी, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। संस्था ने समाज के सभी वर्गों से इस पुण्य कार्य में सहयोग व सहभागिता की अपील की। एवं कार्यक्रम के समापन पर संस्था द्वारा सभी सहयोगकताओं, दानदाताओं, स्वयंसेवकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया

पति एक्सीडेंट में मरा, देवर ने संबंध बनाएः पीलीभीत में शादी का झांसा देकर क्लेम के रुपयों के लिए घर से निकाला

पीड़िता का आरोप है कि पति की मौत के बाद मिलने वाली दुर्घटना क्लेम की धनराशि पर उसके ससुराल वालों की नीयत खराब हो गई थी इस दौरान आरोपी ने धोखे से उसके करीब डेढ़ लाख रुपये भी हड़प लिए।

(जीएनएस)।

पीलीभीत जनपद के जहानाबाद थाना क्षेत्र से रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक विधवा महिला ने अपने देवर पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला ने ससुरालियों पर क्लेम के रुपयों के लिए प्रताड़ित कर उसे घर से निकालने का भी गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2022 में एक सड़क दुर्घटना में उसके पति की असामयिक मृत्यु हो गई थी। उस समय महिला गर्भवती थी और पति की मौत के दो माह बाद उसने एक पुत्री को जन्म दिया। दुख की इस घड़ी में सहारा देने के बजाय, उसके सगे देवर ने पीड़िता को शादी का झांसा दिया और उसके साथ लंबे समय तक कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने धोखे से उसके करीब डेढ़ लाख रुपये भी हड़प लिए।

विवाहिता का आरोप है कि पति की मौत के बाद मिलने वाली दुर्घटना क्लेम की धनराशि पर उसके ससुराल वालों की नीयत खराब हो गई थी। देवर, ससुर, सास, जेठ और जेठानी मिलकर उस पर क्लेम के रुपये देने का दबाव बनाने लगे।

जब महिला ने अपनी और अपनी मासूम बेटी के भविष्य का हवाला देते हुए रुपये देने से इनकार कर दिया, तो ससुरालियों ने उसका उत्पीड़न बढ़ा दिया। उत्पीड़न की हद तब पार हो गई जब नवंबर माह में ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला के साथ जमकर मारपीट की और उसे उसकी दुधमुंही बच्ची के साथ घर से बाहर निकाल दिया।

बेसहारा होकर पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाते हुए पुलिस की शरण ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए जहानाबाद पुलिस ने आरोपी देवर समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

जंगल से भटका हिरण आवारा कुत्तों का शिकार, बेरहमी से नोचा गया; बजरंग दल ने सूचना दी, वन विभाग ने बचाया

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर सामाजिक वानिकी रेंज अभयपुर मुहल्ला शाहगढ़ क्षेत्र में जंगल से भटककर आया एक हिरण आवारा कुत्तों के हमले का शिकार हो गया। कुत्तों ने इसे बेरहमी से नोच लिया, जिससे हिरण गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, लेकिन बजरंग दल की टीम ने तत्काल वन विभाग को सूचना देकर जान बचाई।

घटना रविवार सुबह घटी, जब हिरण खेतों में भटक रहा था। आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, और हिरण चीखने लगा। आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए, लेकिन डर से पास न जा सके। बजरंग दल के कार्यकताओं ने संवेदनशीलता दिखाते हुए कुत्तों को भगाया और वन विभाग को फोन किया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पहुंची, घायल हिरण को पकड़ा और इलाज के लिए सुरक्षित स्थान पर भेज दिया।

वन रेंजर ने बताया कि हिरण के घाव गंभीर हैं, लेकिन समय पर पहुंचने से जान बच गई। विभाग ने इलाके में आवारा कुत्तों पर नकेल कसने के लिए ग्रामीणों से अपील की। बजरंग दल ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण में उनका सहयोग जारी रहेगा। ग्रामीणों ने जंगल क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाने की मांग की।

डॉ. चरित्र सिंह को मिली एमएस डिग्री, पूरनपुर में हर्ष; परिवार व क्षेत्रवासियों ने दी बधाई

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर ब्लॉक प्रमुख पति अपूर्व सिंह के बड़े भाई व ग्राम प्रधान अगमवीर सिंह के पुत्र डॉ. चरित्र सिंह ने एमएस (जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी) की प्रतिष्ठित डिग्री हासिल की। इस उपलब्धि से परिवार के साथ पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। रविवार दोपहर सामाजिक, राजनीतिक व शैक्षिक हलकों से शुभकामनाएं मिलीं।

डॉ. चरित्र ने प्रारंभिक शिक्षा के बाद चिकित्सा क्षेत्र चुना। कड़ी मेहनत व अनुशासन से उन्होंने जटिल शल्य चिकित्सा व आधुनिक लैप्रोस्कोपिक तकनीकों में विशेषज्ञता प्राप्त की। पिता अगमवीर सिंह ने कहा कि बेटे की सफलता से परिवार व क्षेत्र का मान बढ़ा। अपूर्व सिंह व अन्य परिजनों ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

क्षेत्रवासी मानते हैं कि डॉ. चरित्र जैसे युवा प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी डिग्री आने वाली पीढ़ी को मेहनत का संदेश देती है। लोग उम्मीद जता रहे कि वे क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा सेवाएं देंगे। हर्षोल्लास में मिठाई बांटी गई।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र में दबंगों का जानलेवा हमला, गन्ने के विवाद में युवक घायल; पीड़ित ने दी तहरीर

(जीएनएस)।

पीलीभीत,बरखेड़ा क्षेत्र के पचपेड़ा पुख्ता गांव में दबंगों के हौसले बुलंद हो गए हैं। गन्ने के लेन-देन के पुराने विवाद पर एक युवक पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया गया। पीड़ित ने तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन बरखेड़ा पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया।

घटना शनिवार रात घटी, जब पीड़ित रामेश्वर (28) खेत पर काम कर रहा था। दबंगों ने विवाद को लेकर अचानक हमला बोल दिया, जिसमें कुल्हाड़ी व चाकू से उस पर वार किए। रामेश्वर को गंभीर चोटें आईं, और परिजनों ने उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। पीड़ित के भाई ने बताया कि विवाद दो साल पुराना है, जब गन्ने की फसल बेचने पर पैसे का लेन-देन अटक गया था। हमलावरों ने धमकी दी कि शिकायत की तो जान से मार देंगे।

पीड़ित पक्ष ने तहरीर देकर नामजद शिकायत की, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज न करने का बहाना बनाया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दबंगों के प्रभाव से पुलिस सुस्त है। एसपी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच के आदेश दिए। पीड़ित

सपा नेत्री दिव्या गंगवार द्वारा किया गया राजनीतिक कार्यक्रम संपन्न, बी एल ए चुनाव को लेकर हुई गहन चर्चा

पीलीभीत (जीएनएस)।

बीसलपुर। नगर में समाजवादी पार्टी द्वारा एक भव्य राजनीतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी बी एल ए चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम स्थल को फूल-मालाओं व रंगीन सजावट से आकर्षक रूप दिया गया था। मंच पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन सपा नेत्री दिव्या गंगवार एवं समाजसेवी चौधरी प्रदीप पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जाग ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री वीरपाल सिंह यादव (पूर्व सांसद, राज्यसभा प्रभारी) उपस्थित रहे, जिनका कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकताओं की भूमिका को प्रभावी बनाने तथा आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बी एल ए की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे सशक्त बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा।

कार्यक्रम में पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। बैनर पर समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के चित्रों के साथ स्थानीय नेताओं के

नाम अंकित थे, जिससे कार्यक्रम का राजनीतिक महत्व स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

कार्यक्रम में महिला कार्यकताओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। अंत में आयोजकों द्वारा उपस्थित सभी नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया गया तथा पार्टी हित में सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प दोहराया गया।

कार्यक्रम/बैठक में उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्य श्री वीरपाल सिंह यादव - पूर्व सांसद / राज्यसभा प्रभारी श्री जितेन्द्र सिंह जादौन - विधानसभा संयोजक श्रीमती रिचा यादव - महिला सभा (अध्यक्ष) श्री रामचन्द्र गंगवार - पूर्व प्रधान / वरिष्ठ नेता चौधरी सुनील चौहान - समाजसेवी श्री जगदीश यादव श्री राजीव कुमार डॉ. इमरान गंगवार श्री बद्री दुर्गा प्रसाद - पूर्व प्रधान (ग्राम) श्री सौरभ अग्रवाल - व्यापार मंडल सदस्य श्री जे.पी. गंगवार - विधानसभा प्रभारी श्री डी.डी. उपाध्याय - प्रधान प्रतिनिधि श्री बंटी शर्मा श्री राजकुमार कश्यप श्री प्रेमचन्द यादव श्री सुनील गंगवार श्री सुरेश कुमार - उपाध्यक्ष (सपा) श्री रविन्द्र शंखा श्री राकेश शुक्ला श्री रोहित उपाध्याय श्री भूपेन्द्र गंगवार श्री सुनील कुमार - मीडिया प्रभारी